आवो गजानंद आप पधारो

तर्ज - स्वर्ग से सुन्दर सपनो से प्यारा

आवो गजानंद आप पधारो , जोड़ा दोनों हाथ
सफल सारा काम करज्यो , के शिर पे हाथ धरज्यो

एक दन्त दयावंन्त चार भुजा धारी , लड्डूवन का भोग लागे मूसे की सवारी
सबसे पहेली तुझको मनाऐ , गोरी सुत गणराज

शिव के हो प्यारे बाबा मैईया के दुलारे , भक्तो के तुम हो बाबा आँखो के तारे
माँ गोरा के लाल पधारो , रिद्धि सिध्दी के साथ

अष्टविनायक बाबा कष्ट हर लिज्यो , अटक्या है काम बाबा पुरा कर दिज्यो
रिमझिम बरसे प्यार ओ बाबा बोला जयजयकार

संजय तवँर
बिराटनगर नेपाल
0097- 9842030954

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11347/title/aavo-gajanand-aap-adharo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |